अनुभव

परमशक्ति का परम जादू

जब हम चारो ओर से बेबस हो जाते हैं, मूंझ जाते हैं, जब सारे स्थूल सहारे दूर दूर तक नहीं दिखाई देते, तब वही सर्वोदया ही हमारा एक सहारा होता है। पर वो मदद भी तब करता है, जब हम भी उसको यथार्थ रूप में जानें और उसकी शक्तियों को पहचानें। ऐसा ही हुआ मेरे साथ। जब मैं अकेला था, कोई मेरे आस पास नहीं था। मैंने परमात्मा को याद किया और सर्वोदया, रहमदिल दवा लेकर मेरे पास आ गया और मेरे हाथ को शीतलता का मरहम लगा गया। ये परमात्म शक्ति जादू से कम नहीं है। ऐसा कहना है हरिवंश बर्रोही जी का। उन्हीं का अनुभव उन्हीं के शब्दों में...

ब्र.कु. हरिवंश बर्रोही,
गोरखपुर, उ.प्र.

जब जब उन लम्हों के बारे में सोचता हूँ कि कैसे वन्डरफुल जादूगर बाबा ने मेरे ज़ख्मों पर अपनी ममता का मलहम लगाया तो रोमांच खड़े हो जाते हैं। बात कुछ यूँ है कि एक बार मेरी नाइट ड्यूटी चल रही थी। सुबह नौ बजे मैं ड्यूटी पूरी करके घर आया। दिल में आया कि आज पूरी सब्जी बनाऊँ। घर में मेरे सिवाय कोई अन्य व्यक्ति नहीं था।

मैंने सब्जी काटकर रख दिया। आटा गूंथकर पूरी बनाना शुरू कर दिया। कराही में मैंने ज़्यादा तेल डाल दिया था कि जल्दी से हो जायेगा। पूरी बनने के बाद मैंने सोचा कि कराही में थोड़ा तेल सब्जी के लिए रखकर, बाकी तेल निकाल लेता हूँ। इसके बाद मैंने एक कटोरे में करछी से तेल निकालने लगा और निकाल भी लिया। पता नहीं उस समय क्या गड़बड़ी हुई कि वो उबलते हुए तेल का कटोरा मेरे बायें हाथ पर पलट गया। ऐसा लगा कि दहकते हुए अंगारों के बीच मेरा हाथ पड़ गया हो। तुरन्त मैंने बाबा को याद कर कहा कि बाबा अभी मैं क्या करूँ? ऐसे महसूस हुआ जैसे इसी वक्त चमड़ी हाथ से निकल अलग हो जायेगी। इस हालत में मैं क्या कर पाऊँगा? घर में कोई दूसरा व्यक्ति तो है नहीं, बाकी काम कैसे होगा? बाबा ने टचिंग दी। मैंने योग करना शुरू कर दिया। वहाँ नारियल के तेल की एक छोटी सी बाल्टी रखी थी, जिसमें तेल की कुछ बूंदें थीं। अचानक मेरी नज़र उस पर पड़ी। इन चन्द बूंदों को मैंने हाथ पर लगाया। साथ ही बाबा को दिल से याद कर ही रहा था।

मेरे घर के बगल में एक डॉक्टर थे। मैं उनके पास गया और सारी बात बताई। डॉक्टर ने उसका कुछ उपचार करने को कहा। मैं तो बाबा की याद में ही था। फिर डॉक्टर ने वहाँ बैठे एक पेशेंट द्वारा मेडिकल स्टोर से एक ट्यूब मंगाया। डॉक्टर ने कहा कि फिलहाल यह ट्यूब लगाइए। हाथ को ठंडा करेगा। फिर कमाल कहूँ कि क्या कहूँ उस जादूगर बाबा की, कि ठीक उसी वक्त ट्यूब लगाये बिना ही मेरा हाथ शीतल होने लगा। बाबा के ममता की मलहम को महसूस कर दिल गद्‌गद् हो उठा। बस एक ही संकल्प बार बार उठने लगा कि मीठे बाबा शुक्रिया, तेरा बहुत बहुत शुक्रिया। दिल में खुशियों का झरना बहने लगा। उसी रूहानी नशे और फक्र से मैंने कहा कि डॉक्टर साहब, देखा बाबा की कमाल! मेरा हाथ शीतल होने लगा है। और ये है राजयोग पैथी। ये बेमिसाल है। इसके सामने कोई पैथी है ही नहीं। और डॉक्टर यह दृश्य देखकर अवाक रह गये ।

फिर मैं घर पर आया, उसके बाद मैंने सब्जी पकायी। कुछ क्षण पहले जिस हाथ की हालत देखकर भीतर तड़पन थी, हाथ अंगारे की तरह जल रहा था, वही हाथ सुप्रीम सर्जन की कमाल से शीतल होता चला गया। बाद में बाबा की याद में भोजन किया। फिर उस मददगार बाबा के गीत गाते और शुक्रिया करते करते सो गया। आपको भी यह जानकर आश्चर्य लगेगा कि मैं ठीक नौ घंटे गहरी नींद में सोया। कुछ खबर ही नहीं थी उस तकलीफ की। सोकर उठा तो फिर अपने उन्हीं हाथों से कपड़े भी धोये।

मैंने योग इस प्रकार से किया

सर्वशक्तिवान बाबा की शक्तियों की लाल रंग की किरणें मुझ आत्मा में समाती जा रही हैं और मुझ आत्मा से निकलकर मेरे जले हुए हाथ पर पड़ रही हैं और हाथ पर पड़ने पर ये किरणें मलहम बनती जा रही हैं और इससे मालिश करने पर हाथ ठीक होता जा रहा है।

जिस समय मैं योग कर रहा था, उस समय मैं दूसरे हाथ से जले हुए हाथ पर बिल्कुल आहिस्ते आहिस्ते हाथ फिरा रहा था, जैसे कि मलहम से मालिश कर रहे हों। हाथ जलने के बाद उसे शीतल होने में करीब एक घंटा लगा होगा।

सारे ही कल्प का सबसे हसीन साथी बाबा है। ऐसा साथी न भूतो न भविष्यती। जो कहीं भी, कभी भी, किसी भी रूप में, कैसी भी परिस्थिति में निःशुल्क मदद करने के लिए तैयार रहता है। ऐसे हसीन साथी को तहे दिल से अनन्त कोटि शुक्रिया।

प्रिय पाठकों, मैं तो आप लोगों को यही कहना चाहूंगा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में जाकर, राजयोग की शिक्षा लेकर, परमात्मा से जिगरी रिश्ता जोड़कर हर कदम उसकी मदद का अनुभव करते हुए, अपने तकदीर की लकीर को बुलंदियों पर पहुँचाएं।

भवानीगढ़-पंजाब। पूर्व विधायक प्रकाश चंद गर्ग व उनकी धर्मपत्नी कृष्णा गर्ग को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. राजीन्दर कौर तथा ब्र.कु. उषा।

गोधरा-गुज.। 'महिला आध्यात्मिक सम्मेलन' का दीप प्रज्वलित कर उद्‌घाटन करते हुए डॉ. कनकलता,हेड एवं मुख्य वैज्ञानिक,कृषि विज्ञान केंद्र, भानुमति बहन, कोऑर्डिनेटर,ग्राम विकास केंद्र, डॉ. दीपिका शाह। एक अन्य तस्वीर में कार्यक्रम के दौरान प्रवचन करते हुए डॉ. कनकलता।

फतेहगढ़-उ.प्र.। 'मधुमेह शिक्षा शिविर' का दीप प्रज्वलित कर उद्‌घाटन करते हुए पुलिस अधीक्षक अतुल शर्मा। साथ हैं जी.एस.टी. अति. निदेशक ज्योति धारीवाल, डॉ. वलसलन नायर,मा.आबू, ब्र.कु. सुमन तथा अन्य।

जयसिंहपुर-महा.। 'दिव्य नगरी स्लम सेवा योजना' का दीप प्रज्वलित कर उद्‌घाटन करते हुए ब्र.कु. रानी तथा स्थानीय समाज सेवक एवं विशिष्ट लोग।

चोपड़ा-महा.। 'पासवर्ड फॉर हैप्पीनेस' विषय पर सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. डॉ. मोहित गुप्ता। ध्यान पूर्वक सुनते हुए डॉक्टर्स, व्यापारीगण, टीचर्स, रोट्री क्लब मेम्बर्स तथा अन्य।

आदर्श नगर-रुड़की। ब्रह्माकुमारीज़ पाठशाला के नवनिर्मित भवन का फीता काटकर उद्‌घाटन करते हुए राजयोगी ब्र.कु. सूर्य,मा. आबू। साथ हैं ब्र.कु. लक्ष्मी चन्द तथा अन्य।

केशोद-गुज.। 'दिव्य संस्कार घडतर प्रोजेक्ट' के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस के कार्यक्रम पश्चात् समूह चित्र में शहर के अग्रणी जीतुभाई लुक्का, नाथाभाई गजेरा, ब्र.कु. अल्पा, ब्र.कु. गीता तथा श्री वासावाडी पे सेन्टर स्कूल के बच्चे।

रतलाम-डोंगरे नगर। सात दिवसीय 'संस्कार समर कैम्प' के समापन समारोह में बच्चों को पुरस्कार व सर्टिफिकेट प्रदान करने के पश्चात् समूह चित्र में बच्चों के साथ जिला शिक्षा अधिकारी अमर कुमार वरधानी, उत्कृष्ट हाईयर सेकेण्ड्री स्कूल की प्रिन्सीपल डॉ. पूर्णिमा शर्मा, कृषि मंडी अध्यक्ष प्रकाश भगोरा, ब्र.कु. सविता तथा अन्य।

कटनी-गोपाल नगर(म.प्र.)। सावन मास में हरियाली तीज के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान समूह चित्र में प्रतिभागियों के साथ सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. भगवती तथा अन्य ब्रह्माकुमारी बहनें।

पुणे-रविवार पेठ। योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राजयोग मेडिटेशन कराते हुए ब्र.कु. शिल्पा।